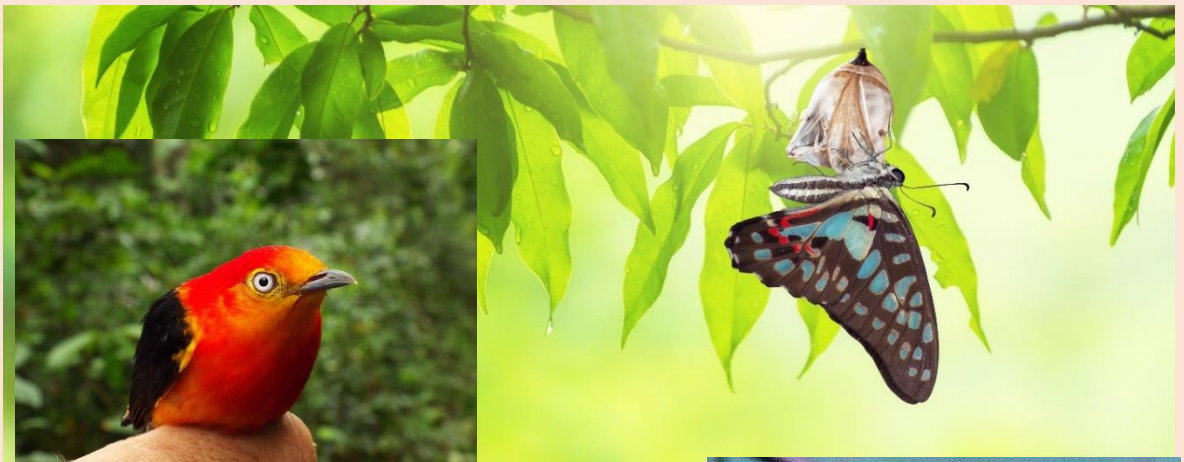

गीत

शब्दों का जाल बुन कर
एक गीत लिख रही हूँ
साजों का ताल चुन कर
एक राग सुना रहीं हूँ

सोहजों व रँगो का मेल है यह
वलवलों की लम्बी बेल है यह
अहसासों का एक खेल है यह
ख़्वाबों व उमंगों का सुमेल है यह

ख़ुशियों की खनकार सुन कर
एक गीत लिख रही हूँ
हँसी की झनकार सुन कर
एक राग सुना रही हूँ।

फ़िज़ा की महक है इस में
शहद सी मिठास है इस में
प्यासे की प्यास है इस में
रूह की खुराक है इस में।

कोकिल की कुह कुह सुन कर
एक गीत लिख रही हूँ
झरने की झंकार सुन कर
एक राग सुना रही हूँ।

उपजिँदर